पंजाब केसरी 12/02/2026

दास-प्रथा और नारी संघर्ष पर केंद्रित फिल्म 'बेलवड' देखते जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

फिल्में विद्यार्थियों के लिए साहित्य को समझने का सबसे सशक्त माध्यम : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 11 फरवरी (बलराम): छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज में अंग्रेजी विभाग द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षणिक समृद्धि के उद्देश्य से पाठ्यक्रम में निर्धारित और दास-प्रथा एवं नारी संघर्ष पर केंद्रित फिल्म 'बेलवड' का प्रदर्शन किया गया। इस फिल्म प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अफ्रो-अमरीकन साहित्य की गहन, संवेदनशील और स्पष्ट समझ प्रदान करना था।

फिल्म में अश्वेत समुदाय के ऐतिहासिक यथार्थ, दास-प्रथा की अमानवीय क्रूरता तथा अफ्रीकी-अमरीकी महिलाओं के संघर्षों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। दृश्य-श्रव्य माध्यम के जरिए विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में शामिल सैद्धांतिक अवधारणाओं को जीवंत अनुभवों से जोड़ने का अवसर मिला, जिससे अध्ययन अधिक रोचक, प्रभावी और सार्थक बन सका।

» जी.एम.एन. कॉलेज में अंग्रेजी विभाग ने किया दास-प्रथा और नारी संघर्ष पर केंद्रित फिल्म 'बेलवड' का प्रदर्शन

कॉलेज प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि फिल्में विद्यार्थियों के लिए साहित्य को समझने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। फिल्मों, संगोष्ठियों और चर्चाओं के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम साहित्य को विद्यार्थियों के लिए अधिक सुलभ और बोधगम्य बनाया जा सकता है। उन्होंने विभाग को भविष्य में भी ऐसी नवाचारी और विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. नीना ने फिल्म प्रदर्शन के उपरांत विद्यार्थियों के साथ संवाद और विचार-विमर्श आयोजित कर उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित किया तथा विषय की गहराई को समझने में उनका मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के डॉ. अमित, डॉ. कमलेश और डॉ. ज्योति आदि उपस्थित रहे।